

डॉ. रोजर ग्रीन, अमेरिकी ईसाई धर्म, सत्र 16, 19 वीं शताब्दी में इंजीलवाद, डीएल मूडी

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन अमेरिकी ईसाई धर्म पर अपने व्याख्यान में कह रहे हैं। यह सत्र 16 है, 19वीं शताब्दी में इंजीलवाद, डीएल मूडी।

व्याख्यान संख्या 12, 19वीं शताब्दी में इंजीलवाद, और बस एक तरह की याद दिलाने के लिए, जिस तरह से मैं इस व्याख्यान को पेश करता हूँ वह उन दो लोगों के बारे में बात करना है जिन्होंने 19वीं शताब्दी में अपने जीवन, अपने मंत्रालय, अपने धर्मशास्त्र के साथ अकेले ही इंजीलवाद को विकसित किया, और ये दोनों बहुत ही उल्लेखनीय लोग थे।

इसलिए, मैं इस व्याख्यान में यह नहीं कह रहा हूँ कि, आप जानते हैं, यहाँ इवेंजेलिकल धर्मशास्त्र की विशेषताएँ हैं या यहाँ धर्मशास्त्र के प्रकार के सिद्धांत हैं। हम 20वीं सदी में इवेंजेलिकल धर्मशास्त्र के बारे में बात करते समय इसका थोड़ा सा हिस्सा करेंगे, लेकिन अभी, हम 19वीं सदी में इवेंजेलिकल धर्मशास्त्र के बारे में बात कर रहे हैं। इसलिए हमने फ़िनी के बारे में बात की और यह आदमी कितना महत्वपूर्ण था और वह कितना महत्वपूर्ण है, इसलिए हमें फ़िनी और फ़िनेइट पुनरुद्धार को याद रखने की ज़रूरत है, जिसे मैं अमेरिका में तीसरी महान जागृति के रूप में गिनूंगा, और अब हम ड्वाइट एल. मूडी के बारे में बात कर रहे हैं।

ठीक है, हमने जो कहा था उसे याद दिलाना चाहता हूँ: ड्वाइट एल. मूडी, नॉर्थफील्ड, मैसाचुसेट्स, बोस्टन चले गए, अपने चाचा की जूते की दुकान में काम किया, और वहाँ एडवर्ड किमबॉल नाम का एक आदमी था, और यहाँ बोस्टन में, जहाँ जूते की दुकान थी, वहाँ आज भी एक पट्टिका है जिसे हम बोस्टन में अपनी किसी यात्रा पर देखेंगे। तो यहाँ धर्मांतरित हुए, और मुझे लगता है कि हम उनके संडे स्कूल शिक्षक एडवर्ड किमबॉल के मंत्रालय के माध्यम से यहीं तक पहुँचे। मुझे लगता है कि हमने यहीं पर रोक लगा दी क्योंकि एडवर्ड किमबॉल ने फिर एक चर्च में शामिल होने की कोशिश की। ड्वाइट एल. मूडी के लिए चर्च में शामिल होना एक स्वाभाविक बात थी, और उन्होंने माउंट वर्नोन चर्च, माउंट वर्नोन कांग्रेसनल चर्च में शामिल होने की कोशिश की, हम आपको एक मिनट में इसकी एक तस्वीर दिखाएंगे, लेकिन यहाँ एडवर्ड किमबॉल का विश्लेषण या, आप जानते हैं, ड्वाइट एल. मूडी की समझ है।

मैं सच में कह सकता हूँ, यह कहते हुए, मैं उन पर बरसी ईश्वर की असीम कृपा की प्रशंसा करता हूँ, कि मैंने ऐसे बहुत कम लोग देखे हैं जिनका मन आध्यात्मिक रूप से उससे अधिक अंधकारमय था, जब वे मेरे संडे स्कूल की कक्षा में आए थे। मुझे लगता है कि माउंट वर्नोन चर्च की समिति, जो सदस्य बनने का निर्णय लेने वाली समिति है, मुझे लगता है कि माउंट वर्नोन चर्च की समिति ने शायद ही कभी सदस्यता के लिए कोई आवेदक देखा हो, सुसमाचार सत्य के स्पष्ट और निश्चित विचारों वाला ईसाई बनने की संभावना कभी नहीं रही, और सार्वजनिक उपयोगिता के किसी भी विस्तारित क्षेत्र को भरने की तो बात ही छोड़िए। अब, यह बहुत दिलचस्प है कि ड्वाइट एल. मूडी के बारे में उनके जीवन के इस चरण में ऐसा कहा गया क्योंकि अगर कोई है,

तो वह चार्ल्स फिने के कंधों पर खड़ा है। अगर कोई है जो सुसमाचार सत्य के निश्चित विचारों से स्पष्ट ईसाई बन गया और जिसकी जबरदस्त सार्वजनिक उपयोगिता थी, तो वह निश्चित रूप से ड्वाइट एल. मूडी ही होगा।

और इसलिए, यह बहुत दिलचस्प है: एक संडे स्कूल शिक्षक ने उसके बारे में यह कहा। इसलिए, एक साल तक, मूडी को इस मण्डली में स्वीकार नहीं किया गया। उन्हें नहीं लगा कि वह मण्डली का सदस्य बनने के लिए तैयार है, कि उसके पास इसके लिए दिल या दिमाग नहीं है।

बहुत दिलचस्प है। तो, यहाँ मूडी चर्च में शामिल होना चाहता था और ऐसा करने में सक्षम नहीं था। यहाँ बोस्टन में माउंट वर्नोन काँग्रेसनल चर्च है।

यह बीकन हिल पर है। यह बीकन हिल पर था। और यह वह चर्च है जिसके सफेद स्तंभ हैं जिन्हें आप माउंट वर्नोन स्ट्रीट पर देख सकते हैं।

चर्च के बारे में संक्षेप में कहें तो यह वास्तव में एक दुखद कहानी है। 1890 के दशक के अंत में चर्च इस जगह से चला गया और एक और चर्च का पुनर्निर्माण किया। इसे तोड़ दिया गया।

वह अब माउंट वर्नोन स्ट्रीट पर नहीं है। उन्होंने मास एवेन्यू और बीकन स्ट्रीट के कोने पर एक और चर्च का पुनर्निर्माण किया। और अब उस चर्च को कॉन्डोमिनियम में बदल दिया गया है।

इसलिए, जब आप इस चर्च को इस तरह के इतिहास के साथ देखते हैं, और अब यह बोस्टन शहर में बहुत महंगे कॉन्डोमिनियम हैं। तो, वह चर्च अब चर्च नहीं रहा। लेकिन आप इस चर्च का नाम याद रखना चाहेंगे, माउंट वर्नोन काँग्रेसनल चर्च, बोस्टन।

मूडी की अपनी आध्यात्मिक यात्रा के संदर्भ में यह बहुत महत्वपूर्ण है, मुझे लगता है कि हम ऐसा कह सकते हैं। मुझे लगता है, ठीक है, हमने ऐसा कुछ नहीं देखा। तो, ठीक है, अब 1856 मूडी के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

1856 में मूडी शिकागो चले गए। शिकागो में रहते हुए वे वहाँ चले गए और वहाँ अपना व्यवसाय स्थापित किया। इसलिए वे एक बहुत अच्छे व्यवसायी के रूप में जाने गए।

शिकागो में रहते हुए उन्होंने जो व्यवसाय स्थापित किया, उसके बारे में, क्या आपको पता है कि शिकागो में रहते हुए उन्होंने कौन सा व्यवसाय स्थापित किया होगा? जूते की दुकान। वह जूते बेचते हैं, जो उनकी कंपनी करती है।

क्योंकि यह एक व्यापार है, उन्होंने बोस्टन में अपने चाचा से, और एडवर्ड किमबॉल और बोस्टन में अपने संडे स्कूल के शिक्षक से, और इसी तरह से सीखा। इसलिए वह एक बहुत ही सफल व्यवसायी हैं। अब, लेकिन एक व्यवसायी के रूप में, वह चर्च में बहुत सक्रिय हैं।

उनकी चर्च गतिविधियों के बारे में दो बातें हैं जिनके लिए वे जाने जाने लगे। वे शिकागो के एक चर्च में गए, जो अभी तक उनका चर्च नहीं है, लेकिन वे शिकागो के एक चर्च में गए जिसका नाम प्लायमाउथ कांग्रेसेशनल चर्च था। और ऐसी दो बातें हैं जिनके लिए वे उस चर्च में जाने गए।

नंबर एक, वह एक महान चर्च भर्तीकर्ता था। वह लोगों से प्रभु के बारे में बात करता था और लोगों को भर्ती करता था, लोगों को चर्च में लाता था, और लोगों को संडे स्कूल में भी लाता था। इसलिए, वह चर्च और संडे स्कूल के लिए एक महान भर्तीकर्ता था।

तो, यह उनके बाद के जीवन के लिए निश्चित रूप से बहुत उपयोगी साबित हुआ, इसमें कोई संदेह नहीं है। दूसरा, उन्हें संडे स्कूल में इतनी दिलचस्पी थी कि उस चर्च के बाहर उन्होंने अपना खुद का संडे स्कूल विकसित किया। उन्होंने संडे स्कूल का संचालन किया।

वह संडे स्कूल में शिक्षक थे और उन्हें संडे स्कूल के लिए भर्ती किया गया था। और इस तरह, इस तरह का संडे स्कूल आंदोलन, जो पिछली सदी के अंत में इंग्लैंड में शुरू हुआ था, यहाँ अमेरिका में आया। अमेरिका में संडे स्कूल आंदोलन और मूडी एक साथ जाने जाते थे।

और इसलिए, वह अपनी भर्ती शुरू करता है। अब, वह बाद में इसमें और अधिक सक्रिय रूप से शामिल होने जा रहा है। लेकिन अभी, उसके पास एक व्यवसाय है।

उसे हफ्ते भर काम करना पड़ता है, जूते बेचना। वह इस चर्च से जुड़ा हुआ है, लेकिन वह चर्च और संडे स्कूल के लिए एक अच्छा भर्तीकर्ता है। हाँ, यह सही है।

खैर, अभी हम मूल रूप से उन बच्चों के बारे में बात कर रहे हैं जिन्हें वह भर्ती कर रहा है। ठीक है। ठीक है।

मूडी के बारे में एक और बात, और यह उनके जीवन के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है, लेकिन 19वीं सदी में इंजीलवाद के लिए भी, वह यह है कि वह अपना व्यवसाय छोड़ने, अपना व्यवसाय बेचने और ईसाई कार्य में जाने का फैसला करता है। मैं पूर्णकालिक नहीं कहना चाहता क्योंकि हम सभी पूर्णकालिक ईसाई कार्य में हैं। लेकिन वह जूते बेचने के अलावा एक अलग तरह के ईसाई कार्य में जाने का फैसला करता है।

वह ऐसा करने का फैसला करता है। और जब वह इस मंत्रालय में जाता है, तो उसे कभी भी नियुक्त नहीं किया जाता है। इसलिए, मूडी ने अपने उपदेश और मंत्रालय के संदर्भ में जो कुछ भी किया वह सब एक आम व्यक्ति के रूप में है।

वह फ़िनी की तरह नहीं था। फ़िनी को वास्तव में प्रेस्बिटेरियन मंत्रालय में नियुक्त किया गया था। और बाद में, वास्तव में, फ़िनी को मण्डली मंत्रालय में भी नियुक्त किया गया था।

लेकिन मूडी के बारे में यह सच नहीं है। वह एक आम आदमी है, और वह एक आम आदमी के तौर पर ही इस तरह के मंत्रालयों की स्थापना करता है। तो, ठीक है।

तो मैं उनमें से चार का ज़िक्र करने जा रहा हूँ, उनके चार मंत्रालय, जो अंततः एक साथ जुड़ जाते हैं। ठीक है। एक, वह बहुत बोलते हैं।

चूँकि वे शिकागो में अपने संडे स्कूल के विकास के लिए बहुत प्रसिद्ध हो गए थे, इसलिए वे संडे स्कूल सम्मेलनों में बहुत बोलते हैं। अब, मुझे नहीं पता। क्या आप में से कोई संडे स्कूल सम्मेलनों में गया है? मैं फिलाडेल्फिया शहर में पला-बढ़ा हूँ, और फिलाडेल्फिया में, फिलाडेल्फिया संडे स्कूल सम्मेलनों के लिए बहुत बड़ा था। आप एक में गए होंगे।

लेकिन ये अलग-अलग संप्रदाय हैं जो पूरे दिन किसी स्थानीय चर्च में इकट्ठा होते हैं, संडे स्कूल के बारे में बात करते हैं, लोगों को संडे स्कूल के बारे में बोलते हुए सुनते हैं, संडे स्कूल के संसाधन दिखाते हैं, और इसी तरह की अन्य बातें। क्या किसी और को भी, क्या आपको अपने चर्च में पले-बढ़े होने के मामले में यह बात याद आती है? क्या आप संडे स्कूल के बारे में बात करने के लिए दूसरे चर्चों से मिले थे? खैर, वह इसके लिए बहुत प्रसिद्ध हो गया। मेरा अनुमान है कि उसका नाम संडे स्कूल के काम से जुड़ गया।

ठीक है। तो यह एक बात है। दूसरी बात जो उन्होंने की वह थी गृहयुद्ध के समय सैनिकों को उपदेश देना।

इसलिए, उन्हें लगा कि यह एक ऐसा मंत्रालय हो सकता है जिसके ज़रिए वे सैनिकों को उपदेश दे सकें। अब, हमें ध्यान देना चाहिए कि वे खुद शांतिवादी थे। जब उनसे हमेशा इस बारे में पूछा जाता था, तो वे कहते थे, मैं एक क्रेकर शांतिवादी हूँ।

इसलिए, वे शांतिवाद के इस मुद्दे पर वास्तव में क्रेकर्स के साथ थे, भले ही वे स्वयं क्रेकर नहीं थे, जाहिर है, संप्रदाय या संबद्धता से, लेकिन उन्होंने खुद को क्रेकर शांतिवादी कहा। लेकिन उन्हें लगा कि एक मंत्रालय जो वे कर सकते थे, वह था सैनिकों को उनके आध्यात्मिक जीवन में प्रोत्साहित करना। इसलिए, वे गृहयुद्ध की अवधि के दौरान सैनिकों के लिए एक उपदेशक थे।

तो यह नंबर दो है। नंबर तीन, आखिरकार, वह अपना खुद का चर्च स्थापित करने जा रहा है। तो, वह जा रहा है, अब हम इसके बारे में थोड़ी देर बाद बात करेंगे, लेकिन यह एक तीसरी तरह की सेवकाई है जिसे वह अंततः विकसित करता है।

उन्होंने अपना खुद का चर्च स्थापित किया, और फ़िनी ने न्यूयॉर्क शहर में भी यही काम किया। फ़िनी ने न्यूयॉर्क शहर में अपना चर्च स्थापित किया। अब अंततः, उन्होंने न्यूयॉर्क छोड़ दिया और ओबरलिन कॉलेज चले गए, लेकिन उन्होंने वही काम किया।

लेकिन मूडी ने बाद में इस पर और अधिक चर्चा की। चौथी बात जो उन्होंने की वह शिकागो में YMCA के अध्यक्ष के रूप में सेवा करना है। इसलिए मुझे यहाँ वापस जाने की ज़रूरत है, ओह नहीं, मैं नहीं गया।

ठीक है। क्या मुझे इसकी ज़रूरत है? मैं क्यों हूँ? ठीक है। भगवान मेरा भला करे।

ठीक है। भूल जाओ। अभी यह सब भूल जाओ।

आप इसमें से कुछ भी नहीं देख रहे हैं। आप इसमें से कुछ भी नहीं देख रहे हैं। कुछ भी नहीं।

ठीक है। याद है? याद है? याद है? अरे हाँ। क्या तुम्हें ये सब याद है? ठीक है।

आप नहीं देख रहे हैं। हाँ, शिकागो में, उसका चर्च।

मैं इस नाम पर आना चाहता था। यह यहीं है। ओह!

ओह! चर्च की स्थापना शिकागो में हुई थी। और हम उस चर्च के बारे में थोड़ा और बात करने जा रहे हैं।

खैर, YMCA। YMCA की स्थापना जॉर्ज विलियम्स ने इंग्लैंड में की थी। उनकी तिथियाँ यहाँ दी गई हैं, 1821, 1905।

और हमें इसका उल्लेख इसलिए करना चाहिए क्योंकि हम मूडी को YMCA, यंग मेन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन से जोड़ने जा रहे हैं। यह इंग्लैंड के आंतरिक शहरों और फिर अमेरिका के आंतरिक शहरों में एक इंजील आंदोलन के रूप में स्थापित किया गया था। यह एक स्पष्ट इंजील आंदोलन के रूप में स्थापित किया गया था।

ऐसा इसलिए था क्योंकि बहुत सारे युवा पुरुष कारखानों में काम करने के लिए शहरों में आ रहे थे। उनमें से कई अप्रवासी थे जो कारखानों में काम करने के लिए आ रहे थे। लंबे घंटे।

हो सकता है कि उनमें से कुछ चर्च से जुड़े न हों। उनके लिए एक रीच-आउट मंत्रालय था, एक इंजील मंत्रालय जिसे YMCA के नाम से जाना जाता था। खैर, मूडी के समय शिकागो में, वे YMCA के अध्यक्ष बन गए क्योंकि, उनके समय में, YMCA अभी भी एक बहुत ही इंजीलवादी आंदोलन था।

यह शहर में काम करने वाले उन युवा पुरुषों का ख्याल रखता है, जो शायद कारखानों में काम करते हैं और इसी तरह की दूसरी जगहों पर। उनकी सामाजिक ज़रूरतें पूरी हो रही हैं। उनकी शारीरिक ज़रूरतें पूरी हो रही हैं, लेकिन उनकी आध्यात्मिक ज़रूरतें भी पूरी हो रही हैं।

और इनमें से बहुत से युवा YMCA की सेवा के माध्यम से प्रभु के पास आए। तो, यह अंतर्राष्ट्रीय संगठन। अब, आप में से कुछ, मुझे लगता है, मुझसे बेहतर जानते होंगे। अमेरिका में, आप YMCA को एक सुसमाचार प्रचार आंदोलन के रूप में नहीं सोचते हैं, है न? वास्तव में, उन्होंने कानूनी रूप से अपना नाम बदल लिया है।

मुझे नहीं पता कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सच है या नहीं, लेकिन कानूनी तौर पर, क्या यह सिर्फ अमेरिका में है या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर? अब YMCA का कानूनी नाम क्या है? Y. Y. सिर्फ Y. और फिर बहुत छोटे अक्षरों में, जब आप उनका लोगो देखते हैं, तो बहुत छोटे अक्षर होते हैं। Y के

बगल में YMCA है, लेकिन वे बहुत छोटे हैं। तो, Y. अब, यह दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी हो सकता है कि YMCA अभी भी अपने ईसाई, इंग्लिश, सुसमाचार प्रचार मंत्रालय को बनाए रखे।

हाँ। सच में? ठीक है। सही है।

तो, दुनिया में ऐसे हिस्से हैं जहाँ वे अभी भी अपनी मूल स्थापना के प्रति सच्चे हैं। तो, YMCA। मैं, मुझे लगता है कि मैं ताइवान में था, अगर मुझे याद है, और हमने YMCA को देखा, और मैंने ताइवान के लोगों से बात की, और उन्होंने कहा, नहीं, यहाँ का YMCA बहुत ही सुसमाचार-प्रचारक है।

यह एक ऐसा मंत्रालय है जैसा कि हमेशा से इसका उद्देश्य रहा है। इसलिए, मुझे यकीन नहीं है कि हम अमेरिका में क्या देखते हैं। मुझे नहीं पता कि दुनिया भर में यह कितना सच है, लेकिन यह निश्चित रूप से अमेरिका में सच है।

खैर, अगर YMCA अभी भी अपने सुसमाचार प्रचार उद्देश्यों के प्रति सच्चा नहीं होता तो वह कभी भी YMCA से नहीं जुड़ता। इसलिए, वह YMCA का अध्यक्ष है। इसलिए, ये चार बातें उसे और उसके मंत्रालय को चिह्नित करना शुरू करती हैं।

ठीक है। अब, उसके बारे में एक और बात। फिन्नी की तरह, मूडी इंग्लैंड जाता है और इंग्लैंड में प्रचार करना शुरू करता है।

उपदेशों को सुनने के लिए एक समय में सचमुच हज़ारों लोग बाहर आते थे।

कई महत्वपूर्ण ब्रिटिश प्रचारक उन्हें अपने चर्च में प्रचार करने के लिए बुलाते थे। अब, सबसे महत्वपूर्ण लोगों में से एक स्पर्जन नाम का एक व्यक्ति था। स्पर्जन का टेबर्नकल लंदन में था, और स्पर्जन मूडी को टेबर्नकल में आकर प्रचार करने के लिए आमंत्रित करते थे।

वहाँ एक और शानदार चर्च था जिसे सिटी टेम्पल कहा जाता था। पार्कर नाम का एक व्यक्ति मूडी को अपने चर्च में बुलाकर प्रचार करवाता था। तो, संक्षेप में, मूडी एक अंतरराष्ट्रीय प्रचारक के रूप में प्रसिद्ध हो गया, और उसने इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स, आयरलैंड और अन्य जगहों की यात्राएँ कीं।

लेकिन जब वे अमेरिका वापस आए, तो उन्हें फिन्नी की तरह स्वीकार किया गया। जब फिन्नी वहाँ गए और फिर कुछ साल बाद वापस आए, तो वे ड्वाइट एल. मूडी के साथ थे। जब वे अमेरिका वापस आए, तो हज़ारों लोगों ने उनका स्वागत किया क्योंकि वे एक महान अंतरराष्ट्रीय प्रचारक थे।

और यही वह समय था जब उनकी अंतरराष्ट्रीय ख्याति, मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं, यही वह समय था जब उनकी ख्याति ने जोर पकड़ा। अब, यहाँ, कहीं न कहीं, हमें उनके प्रचार शैली के बारे में बात करनी चाहिए। क्या किसी को याद है कि हमने प्रचार के लिए क्या परिभाषा दी थी

जो मैंने पाठ्यक्रम में दी थी? प्रचार क्या है? प्रचार की परिभाषा क्या है? प्रचार करना ईश्वर का सत्य है जो व्यक्तित्व के माध्यम से आता है।

यह सही है। ठीक है। तो, मूडी।

याद है हमने व्हिटफील्ड और एडवर्ड्स के बारे में बात की थी और वे अपने उपदेश देने के तरीके में कितने अलग थे? फिनी और मूडी के बीच भी यही बात है। फिनी वकील था जो दो घंटे तक उपदेश देता रहा, आपकी आँखों में आँखें डालकर। याद है फिनी की वह नज़र जो सीधे आपकी ओर देख रही थी? अगर आप पापी होते, तो कभी-कभी आपको नाम लेकर पुकारा जाता कि मैं तुम्हें देखता हूँ, तुम पापी हो, बालकनी में अपने पापों से छुपने की कोशिश कर रहे हो।

मैं समझ गया। तो, यह फिनी है, वकील। मूडी, बिल्कुल विपरीत।

मूडी, बहुत ही देसी कहानियाँ। वह आपके दादाजी की तरह थे जो आपको उपदेश देते थे और बाइबल की कहानियाँ वगैरह सुनाते थे। फिनी और मूडी से ज़्यादा विपरीत उपदेशक कोई नहीं हो सकता था, लेकिन ईश्वर उन्हें व्यक्तित्व के ज़रिए इस्तेमाल करता है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

तो, ठीक है। तो, वह बस गया, और फिर उसके पास दो हैं; एक बार जब वह अमेरिका में वापस आ गया, तो उसके पास वास्तव में संचालन के दो स्थान हैं, दो स्थान जहाँ उसका मुख्यालय है। एक स्थान जिसका मुख्यालय है वह नॉर्थफील्ड जाता है और अपने घर लौटता है, और वह नॉर्थफील्ड को अपने मंत्रालय के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुख्यालय के रूप में स्थापित करता है।

दूसरा स्थान शिकागो होगा, जहाँ उन्होंने अंततः एक चर्च की स्थापना की, और हम इसे देखेंगे। ठीक है। तो, नॉर्थफील्ड और शिकागो के बीच, आइए उनके द्वारा स्थापित कुछ मंत्रालयों के बारे में बात करते हैं।

तो ठीक है। उफ़। ठीक है।

तो, उफ़। ठीक है। चलो शुरू करते हैं।

ठीक है। तो, सबसे पहले नॉर्थफील्ड में। नॉर्थफील्ड में, उन्होंने दो तरह के कॉलेज स्थापित किए।

वे कॉलेज नहीं थे जैसा कि हम आज सोचते हैं, लेकिन वे पुरुषों और महिलाओं को बाइबल और ईसाई इतिहास और धर्मशास्त्र आदि के ज्ञान में प्रशिक्षित करने के स्थान थे। और इसलिए, इसे युवा महिलाओं के लिए नॉर्थफील्ड सेमिनरी कहा जाता था। सेमिनरी शब्द से मूर्ख मत बनो।

ऐसा नहीं था कि ये महिलाएँ कॉलेज गई थीं और फिर सेमिनरी में थीं, बल्कि नॉर्थफील्ड सेमिनरी फॉर यंग विमेन और माउंट हर्मन स्कूल फॉर बॉयज़ थीं। तो, 1879, 1881. तो, नॉर्थफील्ड में, युवा लोगों को शिक्षित करने और विशेष रूप से उन्हें बाइबल और धर्मशास्त्र को समझने के लिए

शिक्षित करने में उनकी रुचि मूड़ी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है और यह उनके जीवन के बाकी हिस्सों के लिए उनके साथ रहेगी।

नॉर्थफील्ड में एक और बात जो महत्वपूर्ण हो गई, वह थी नॉर्थफील्ड कॉन्फ्रेंस। नॉर्थफील्ड कॉन्फ्रेंस। अब, ये क्या थे? और हम इनके बारे में बाद में बात करेंगे जब हम अमेरिकी कट्टरवाद और इंजीलवाद पर पहुंचेंगे।

नॉर्थफील्ड सम्मेलन गर्मियों में होने वाले सम्मेलन थे। इन्हें भविष्यवाणी सम्मेलन कहा जाता था क्योंकि मुख्य रूप से, जबकि मुख्य रूप से रुचि बाइबल पढ़ाने में थी, यह बाइबल की भविष्यवाणियों पर ध्यान केंद्रित करने और यह पता लगाने की कोशिश करने में थी कि क्या बाइबल की भविष्यवाणियाँ हमारे दिनों में सच हो रही हैं या नहीं। इसलिए, उन्हें भविष्यवाणी सम्मेलन के रूप में जाना जाने लगा।

अब, नॉर्थफील्ड एकमात्र स्थान नहीं होगा। यह इन ग्रीष्मकालीन सम्मेलनों की स्थापना करने वाले पहले स्थानों में से एक होगा, लेकिन यह ऐसा करने वाला एकमात्र स्थान नहीं होगा। ऐसे अन्य स्थान भी होंगे जो ऐसा करेंगे।

अब, नॉर्थफील्ड कॉन्फ्रेंस से बाहर, मैं नॉर्थफील्ड कॉन्फ्रेंस के बारे में बात करना चाहता हूँ, लेकिन मैंने एक हाथ देखा। कार्टर, क्या तुम्हारा हाथ था? हाँ। आज, तुम्हारा मतलब है।

हाँ। बिलकुल सही। मैं कहना चाहता हूँ कि इन दोनों का विलय लगभग 1950 में हुआ।

मुझे इसकी जांच करनी होगी। इन दोनों का विलय हो गया, और अभी भी लड़कों और लड़कियों के लिए नॉर्थफील्ड माउंट हर्मन स्कूल है। यहीं से इसकी शुरुआत हुई।

हाँ। यहीं से इसकी शुरुआत होती है। हाँ।

नॉर्थफील्ड एक तरह से सेंट्रल नॉर्थ मैसाचुसेट्स है। क्या आप नॉर्थफील्ड गए हैं? क्या आप हमें नॉर्थफील्ड बता सकते हैं? आप नॉर्थफील्ड गए हैं। क्या हम सही कह रहे हैं? सेंट्रल नॉर्थ मैसाचुसेट्स, नॉर्थफील्ड जैसा।

ठीक है। तो, हाँ, इनका विलय हो गया, और स्कूल आज भी मौजूद है, लेकिन यह उस स्कूल की शुरुआत है। है न? ठीक है।

मुझे स्कूल के बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन हाँ। तो, ओबरलिन कॉलेज की तरह। ठीक है।

हाँ. ठीक है. सही है.

ठीक है। तो, मुझे नहीं पता।

मुझे इसके बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन हाँ। हाँ। उन्हें कभी भी दीक्षा नहीं दी गई।

उन्हें कभी भी नियुक्त नहीं किया गया। उन्होंने जो कुछ भी किया, वह एक आम व्यक्ति के रूप में किया, यहाँ तक कि उनका उपदेश और मंत्रालय भी। उन्हें कभी भी फिन्नी की तरह मंत्रालय के लिए नियुक्त नहीं किया गया था।

हाँ। हाँ, उन्होंने तब तक ऐसा किया जब तक कि उन्होंने अपना खुद का चर्च और फिर मूडी बाइबिल संस्थान नहीं बना लिया। तब वह एक स्वतंत्र चर्च बन गया, लेकिन धर्म परिवर्तन के बाद वह मण्डलीवाद में ही पले-बढ़े।

जब वे शिकागो गए, तो वे एक चर्च में शामिल हो गए। तो यह उनकी परंपरा थी। ठीक है।

तो, नॉर्थफील्ड सम्मेलन। अब, नॉर्थफील्ड सम्मेलन का एक हिस्सा छात्र स्वयंसेवक आंदोलन कहलाता था। तो, आप इसे नॉर्थफील्ड सम्मेलन के साथ जोड़ना चाहेंगे क्योंकि यह नॉर्थफील्ड सम्मेलन से निकला था क्योंकि सम्मेलन में, भविष्यवाणी बाइबिल सम्मेलन में जाने वाले बहुत से लोग विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्र थे।

तो अब हमारे पास छात्र स्वयंसेवक आंदोलन है। अब, छात्र स्वयंसेवक आंदोलन मुख्य रूप से मिशन के लिए कॉलेज के छात्रों का आंदोलन था। यह कॉलेज के छात्रों और विश्वविद्यालय के छात्रों का आंदोलन था जिन्होंने खुद को मिशनरी बनने के लिए समर्पित कर दिया।

यह निश्चित रूप से इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए है कि 19वीं सदी वास्तव में चर्च के इतिहास में मिशनों के लिए सबसे महान सदी थी। और यह उसी का प्रतिबिंब है। अब, इसी समय के बारे में याद करें, थोड़ा बाद में, इससे भी बाद में, लेकिन याद रखें कि इसी समय गॉर्डन कॉलेज की स्थापना हुई थी।

हमारी स्थापना क्लेरेंडन स्ट्रीट चर्च के बेसमेंट में एक मिशनरी प्रशिक्षण स्कूल के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य बेल्जियम कांगो जाने के लिए पुरुषों और महिलाओं को प्रशिक्षित करना था। इसलिए हमारी संस्था की शुरुआत हुई, और हम इसका उल्लेख तब करेंगे जब हम 20वीं सदी के बारे में बात करेंगे, लेकिन हमारी संस्था की शुरुआत भी इसी आंदोलन से हुई थी। इसलिए अब हम जिस बात पर ध्यान देना चाहते हैं, वह यह है कि एक आंदोलन है जिसके बारे में हम बहुत बात करने जा रहे हैं, जिसे डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म कहा जाता है।

तो, हम डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म पर एक लंबा व्याख्यान देने जा रहे हैं। तो, चलिए डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म के बारे में बस इतना ही कहते हैं। ड्वाइट एल. मूडी एक अमेरिकी कट्टरपंथी थे।

इस बारे में कोई संदेह नहीं है, और हम कट्टरवाद पर चर्चा करते समय इसका वर्णन करेंगे, लेकिन वह एक अमेरिकी कट्टरपंथी थे, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन वह एक बहुत ही उदार अमेरिकी कट्टरपंथी थे। और जब डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म की बात आती है, तो वह एक कठोर डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिस्ट नहीं थे।

कुछ लोग थे, जैसा कि हम देखेंगे, हम आज इस बारे में चिंता नहीं करेंगे, हम इसे बाद के व्याख्यान में देखेंगे, लेकिन कुछ लोग थे, जैसा कि हम देखेंगे, जो एक तरह से कठोर डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिस्ट और कठोर कट्टरपंथी थे। आप मूडी को उस सांचे में नहीं रख सकते। इसलिए अक्सर जब मूडी ने पूछा, जब मूडी ने पूछा, आपका मंत्रालय क्या है? आप एक डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिस्ट हैं, आप सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं, आपने स्कूल और इसी तरह के अन्य काम और चर्च शुरू किए हैं।

आपकी सेवकाई क्या है? और जिस तरह से वह हमेशा अपनी सेवकाई का वर्णन करते थे, वह यह था कि मेरी सेवकाई एक जीवनरक्षक नौका की सेवकाई है। लोग समुद्र के पानी में मर रहे हैं, और मैं जीवनरक्षक नौका को बाहर निकाल रहा हूँ, और मैं जितने लोगों को बचा सकता हूँ, बचा रहा हूँ। ऐसा ही उन्होंने महसूस किया; यही वह सेवकाई थी जो परमेश्वर ने उन्हें दी थी।

तो, आप लाइफबोट में हैं। आप पानी में डूबने से जितने लोगों को बचा सकते हैं, बचा रहे हैं। तो, यह अक्सर उनके अपने मंत्रालय के लिए उनकी दृष्टि थी। तो, किसी भी तरह से, वह विश्वविद्यालय प्रशिक्षित नहीं था, वह कॉलेज प्रशिक्षित नहीं था, उसके पास फ़िनी के समान कानूनी प्रशिक्षण नहीं था, उसके पास फ़िनी के समान सेमिनरी प्रशिक्षण भी नहीं था, बल्कि इसके बिल्कुल विपरीत।

और इसलिए, एक आम व्यक्ति के रूप में, वह अपने जीवन के बाकी समय में यही करता है। ठीक है, आप उसे सबसे अच्छे से जानते होंगे। हमने बताया कि उसने शिकागो में एक चर्च की स्थापना की, इसलिए आप उसे सबसे अच्छे से जानते होंगे जो वहाँ दाईं ओर मूडी चर्च बन गया, और फिर उसके बाईं ओर मूडी बाइबिल संस्थान है।

तो ये दोनों ड्वाइट एल. मूडी द्वारा स्थापित किए गए। हाँ, ठीक है। ठीक है।

हम इस बारे में विस्तार से बात करने जा रहे हैं। तो अभी, बस डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म के लिए, बस जल्दी से, एक विश्वास है, अगर आप अपनी बाइबिल खोलते हैं और इसे ध्यान से पढ़ते हैं, तो आपको पता चलता है कि ऐसे कई डिस्पेंसेशन हैं जिनमें भगवान ने लोगों के साथ एक वाचा बनाई और फिर वाचा टूट गई। और इसलिए वह एक और वाचा बनाता है।

इसलिए वह आदम और हव्वा के साथ वाचा बाँध सकता है, फिर वह अब्राहम के साथ वाचा बाँध सकता है, और इसी तरह आगे भी। अगर आप अपनी बाइबल को ध्यान से पढ़ेंगे, तो आप पाएंगे कि इतिहास में ऐसे कई युग हैं जिनमें परमेश्वर ने वाचा बाँधी, और लोगों ने वाचाएँ तोड़ी, इस तरह की बातें। हम इसके बारे में बहुत कुछ बात करने जा रहे हैं।

लेकिन उनके लिए, वह ऐसा नहीं था जिसे हम एक कठोर डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिस्ट कहेंगे। ऐसे लोग भी थे जो कहते थे, बाइबल की व्याख्या करने का यही एकमात्र तरीका है। अगर आप इसे इस तरह से व्याख्या नहीं कर रहे हैं, तो आप इसे सही तरीके से व्याख्या नहीं कर रहे हैं।

खैर, मूडी ऐसा नहीं था। वह उस तरह का व्यक्ति नहीं था। तो, हाँ।

हमारे पास अमेरिकी कट्टरवाद और इंजीलवाद पर एक लंबा व्याख्यान है। तो, हमने उस व्याख्यान के दौरान इस पर बहुत चर्चा की। ठीक है।

तो, यहाँ मूडी चर्च और मूडी बाइबल संस्थान हैं। और अभी भी उस मंत्रालय के प्रति वफादार हैं जो भगवान ने उन्हें दिया था। क्या आप में से कोई भी कभी मूडी चर्च या मूडी बाइबल संस्थान में गया है? आप वहाँ गए हैं।

आपने इसे देखा है। क्या आप किसी सेवा के लिए जाते हैं या सिर्फ संस्थान देखने जाते हैं? ओह, ठीक है। ठीक है।

हाँ। मैं बस इसके बारे में कुछ कहना चाहता हूँ: मैं मूडी चर्च को नहीं जानता। यह स्पष्ट रूप से एक स्वतंत्र चर्च है, लेकिन मूडी बाइबल संस्थान।

मूडी बाइबिल संस्थान, जो करता है, वह बहुत बढ़िया करता है। यह गॉर्डन कॉलेज की तरह स्नातक स्तर का उदार कला महाविद्यालय होने का दावा नहीं करता। यह एक बाइबिल संस्थान होने का दावा करता है, जहाँ वे लोगों को बाइबिल समझने के लिए प्रशिक्षित करते हैं और शायद मंत्रालय, मिशन या कुछ और में जाते हैं।

लेकिन यह जो करता है, वह बहुत बढ़िया करता है। और मेरे मन में मूडी बाइबल संस्थान के लिए बहुत सम्मान है क्योंकि वे इस बारे में बहुत स्पष्ट हैं कि उन्हें क्या करने के लिए कहा गया है। और वे ऐसा करते हैं।

वे किसी और की तरह बनने की कोशिश नहीं करते। वे किसी और की नकल करने की कोशिश नहीं करते। इसलिए, वे अच्छा करते हैं।

तो ये ड्वाइट एल. मूडी के कुछ मंत्रालय हैं। और फिर, जब उनकी मृत्यु हुई, तो ये सभी तरह के मंत्रालय वास्तव में फल-फूल रहे थे। तो, ठीक है।

तो ये हैं ड्वाइट एल. मूडी। सबसे पहले, क्या आपके पास उनके बारे में कोई सवाल है? सिर्फ जीवनी, मूडी के बारे में कोई जीवनी? बहुत शक्तिशाली व्यक्ति, इसमें कोई शक नहीं। जहाँ तक मुझे याद है, वे शादीशुदा थे और उनके नौ बच्चे थे।

और इसलिए उनका एक परिवार था। हाँ। वह शादीशुदा था, और मुझे लगता है कि उसके नौ बच्चे थे।

ओह, बोस्टन में चर्च? हाँ। ठीक है। मैं उस चर्च के महत्व के बारे में उस उद्घरण पर वापस जाऊँगा।

उस चर्च का महत्व यह है कि एडवर्ड किमबॉल, जो एक संडे स्कूल शिक्षक थे, के मंत्रालय के माध्यम से धर्मांतरित होने के बाद, वह इस चर्च में जाना चाहते थे। यह वही चर्च था जिसके एडवर्ड किमबॉल सदस्य थे। इसलिए, वह चर्च की सदस्यता चाहते थे।

और उसे वह सदस्यता पाने में पूरा एक साल लग गया। जैसा कि एडवर्ड किमबॉल ने कहा, जब वह समिति के सामने आया, यानी सदस्यता समिति, तो शायद ही कोई आवेदक सदस्यता के लिए आता था, और सुसमाचार के बारे में स्पष्ट और निश्चित विचारों वाला ईसाई बनने की संभावना कम ही होती थी, और सार्वजनिक उपयोग के क्षेत्र में किसी भी हद तक भरने की संभावना भी कम होती थी। तो उन्होंने ड्वाइट एल. मूडी नामक इस व्यक्ति के बारे में यही कहा।

मंत्रालय में उनके बहुत सफल होने की संभावना नहीं है। इसलिए, हम उन्हें स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं। लेकिन उन्होंने इस पर काम जारी रखा।

एक साल बाद, उन्होंने आखिरकार उसे सेवकाई के लिए स्वीकार कर लिया। लेकिन नहीं, मैंने इसका ज़िक्र सिर्फ़ इसलिए किया क्योंकि यह एक तरह से विडंबनापूर्ण था। उन्होंने ड्वाइट एल. मूडी के धर्मांतरण के बाद उसकी क्षमता को नहीं देखा।

लेकिन वह दृढ़ रहा। वह बाइबल सीखता रहा ताकि वह इस चर्च का सदस्य बन सके। और आखिरकार वह बन गया।

लेकिन इसमें बहुत समय लगा। और यही बात एडवर्ड किमबॉल ने उनके बारे में कही, जो उनके अपने शिक्षक थे, जो मुझे विडंबनापूर्ण लगता है क्योंकि वे क्या बन गए। इसलिए आप कभी नहीं जानते कि आप किसके साथ काम कर रहे हैं।

जब आप ऐसे लोगों से निपटते हैं जो प्रभु के पास आते हैं, तो आप कभी नहीं जानते कि जब वे उस बुलावे को पूरा करेंगे तो उनकी क्षमता क्या होगी, है न? खैर, यहाँ ड्वाइट एल. मूडी हैं। क्या इससे रिकार्डों को मदद मिली? हमने उस चर्च का ज़िक्र क्यों किया? हाँ। जब उन्होंने उसे आध्यात्मिक रूप से अंधकारमय कहा, तो क्या यह उसके साथ कुछ खास था? नहीं, बस उसका दिमाग आध्यात्मिक रूप से अंधकारमय था क्योंकि वह बाइबल की एक भी आयत नहीं जानता था।

वह आपको एक आयत से दूसरी आयत नहीं बता सकता था। इन लोगों के लिए, बाइबिल की समझ ही उनकी ईसाई धर्म, उनके धर्मांतरण, और इसी तरह की अन्य बातों को व्यक्त करने का तरीका है। इसलिए जब वे आध्यात्मिक रूप से अंधकार के बारे में बात करते थे तो वे इसी बारे में बात कर रहे थे।

ठीक है, मूडी के बारे में और कुछ? ठीक है, बस कुछ मिनट। मैं अगला व्याख्यान शुरू करूँगा। लेकिन अभी कुछ मिनटों के लिए, हमने 19वीं सदी में इंजीलवाद, प्रोटेस्टेंट इंजीलवाद का वर्णन करने के लिए फिन्नी और मूडी का इस्तेमाल किया है।

तो, आइए हम 19वीं सदी में प्रोटेस्टेंट इंजीलवाद के बारे में कुछ बातें बताएं क्योंकि हमने फिन्नी और मूडी को देखा है। खैर, यह निश्चित रूप से बाइबिल से संबंधित था, है न? ये लोग बाइबिल के शिक्षक, बाइबिल के प्रचारक हैं। यह निश्चित रूप से पुनरुत्थानवादी था, है न? यह वास्तव में पुनरुत्थानवाद पर बहुत मजबूत था।

यह 19वीं सदी में इंजीलवाद के लिए सच होगा। यह निश्चित रूप से ट्रांसाटलांटिक था क्योंकि ये लोग फिन्नी और मूडी की तरह हैं जो इंग्लैंड के साथ-साथ अमेरिका में भी सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं। और अंग्रेजी पुनरुत्थानवादी अमेरिका में आकर पुनरुत्थान कर रहे हैं।

तो, यह निश्चित रूप से ट्रांसाटलांटिक है। यह निश्चित रूप से अमेरिका में पहली सह-शिक्षा संस्था, ओबरलिन कॉलेज में महिलाओं और पुरुषों की समानता को समझना शुरू कर रहा है। उदाहरण के लिए, उन्मूलनवाद पर सामाजिक रुख अपनाने से यह नहीं डरता था।

और क्या? क्या आप फिन्नी और मूडी के बारे में सोचते समय किसी अन्य विशेषता के बारे में सोच सकते हैं, जैसे कि इन लोगों के लिए प्रचार करना महत्वपूर्ण है? और कुछ? मेरा मतलब है, ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो मेरे दिमाग में आती हैं जब हम फिन्नी और मूडी के बारे में सोचते हैं और उनके योगदान क्या रहे हैं। क्या कोई अन्य योगदान था जिसके बारे में आप सोच सकते हैं, रेचल? सुसमाचार प्रचार, पुनरुत्थानवाद, सुसमाचार प्रचार, बहुत, बहुत महत्वपूर्ण। बाइबल को उनके प्रचार पाठ के रूप में उपयोग करने से संस्कृति और व्यापक संस्कृति पर प्रभाव पड़ता है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

फिन्नी और मूडी दोनों का व्यापक संस्कृति पर प्रभाव था। इन लोगों को सार्वजनिक धर्मशास्त्री के रूप में देखा जाता था, और फिन्नी और मूडी सार्वजनिक उपदेशक थे। अमेरिका में लोग फिन्नी और मूडी के नाम जानते थे।

हो सकता है कि वे अपने राज्य के सीनेटर या कांग्रेसमैन का नाम न जानते हों, लेकिन वे फिन्नी और मूडी का नाम जानते होंगे। वे सार्वजनिक हस्तियाँ हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। आपके दिमाग में और क्या आता है? 19वीं सदी में हम इंजीलवाद का वर्णन इसी तरह करेंगे।

बाद में, हम 20वीं सदी में कट्टरवाद और इंजीलवाद पर एक लंबा व्याख्यान देंगे। हम कुछ समय, थोड़ा समय बचाने के लिए यह व्याख्यान शुरू करने जा रहे हैं, क्योंकि जब हम वापस आएं, जैसा कि मैंने कहा, हमारे पास केवल सोमवार है। फिर हम बुधवार और शुक्रवार को छुट्टी लेंगे।

सोमवार को हम परीक्षा की तैयारी करते हैं, बुधवार को परीक्षा की, और गुड फ्राइडे की। तो, वाह, ठीक है, वह समय कहाँ जा रहा है? तो, हम यह व्याख्यान शुरू करने जा रहे हैं। तो यह व्याख्यान संख्या 13 है, शहरी विकास और चर्च, व्याख्यान 13।

और हम तीन काम करने जा रहे हैं। पहला, मुझे नहीं लगता कि मैं आज पहला काम पूरा कर पाऊंगा, इसलिए कम से कम हम इसे शुरू तो कर ही पाएंगे। ठीक है, ए, औद्योगीकरण और शहरीकरण की समस्याएँ।

औद्योगीकरण और शहरीकरण की समस्याएँ। मुझे यहाँ अपना दृष्टिकोण बदलने दीजिए। ठीक है।

ठीक है। अब, पहली बात जो हमें याद रखनी है वह है शहरीकरण और औद्योगीकरण। पहली बात जो हमें याद रखनी है वह यह है कि अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है। और यह इंग्लैंड में सच है।

यह अमेरिका में सच है। यह तेजी से बदल रहा है। यह कृषि अर्थव्यवस्था से तेजी से बदल रहा है, और उस कृषि अर्थव्यवस्था पर एक तरह से भूमि के मुखिया का शासन था।

यह तेजी से कृषि अर्थव्यवस्था से शहरी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंदन, न्यूयॉर्क या बोस्टन जैसे दुनिया के शहरी केंद्र पूरी तरह से पश्चिमी समाज के आर्थिक केंद्र बन रहे हैं। लेकिन इस बदलाव के साथ, इसका मतलब अक्सर यह होता है कि लोगों की आदत में गिरावट आई है क्योंकि कृषि समाज में लोग पारिवारिक ढांचे के आदी थे।

लोग एक परिवार से जुड़े होते थे। और पारिवारिक जीवन और पारिवारिक संरचना कृषि अर्थव्यवस्था और कृषि जीवन में आपके जीवन का केंद्र थी। अब शहरी अर्थव्यवस्था में, शहरी जीवन में, पारिवारिक संरचना टूट गई है।

अप्रवासी शहरों में काम करने आते हैं, अक्सर अपने परिवारों के बिना, उन्हें अपने परिवारों को घर पर ही छोड़ना पड़ता है, या अगर वे अपने परिवार के साथ काम करने आते हैं, तो परिवार में हर कोई काम कर रहा होता है, इसलिए वे शायद ही कभी एक-दूसरे को देख पाते हैं, जिसके बारे में हम बात करेंगे। तो, ठीक है, तो यह एक बात है। यहाँ एक और बात है।

अमेरिका में, रेलरोड प्रणाली के विकास के साथ परिवहन व्यवसाय बदल रहा है। इसलिए, परिवहन प्रणाली के साथ रेलरोड प्रणाली के विकास का मतलब था कि शहरों में उत्पादित होने वाले सामानों के लिए बाज़ारों का विस्तार हो रहा था। बाज़ार पश्चिम की ओर, दक्षिण की ओर फैल रहे हैं।

ठीक है, और जितना ज़्यादा बाज़ार फैल रहे हैं, उतनी ही ज़्यादा शहरी उत्पादों की मांग बढ़ रही है, जिसका मतलब है कि शहरों में रहने वाले लोगों को पश्चिम या दक्षिण में भेजी जाने वाली सामग्री का उत्पादन करने के लिए फ़ैक्टरियों में ज़्यादा मेहनत करनी होगी। यह बहुत, बहुत समस्याग्रस्त होने वाला है, जैसा कि हम देखेंगे। तो, ठीक है, एक और बात जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए वह यह है कि कृषि केंद्र सिकुड़ रहे हैं क्योंकि शहर बढ़ रहे हैं।

इसलिए, शहर फैल रहे हैं, और जैसे-जैसे शहर फैल रहे हैं, वे कृषि केंद्रों को अवशोषित कर रहे हैं। इसलिए, कृषि या कृषि जीवन इस व्यापक प्रकार के शहरी जीवन में समाहित हो रहा है, जिसमें लोग रह रहे हैं। इसलिए अमेरिका में जो था वह एक कारखाना प्रणाली है।

आपके पास कारखानों की एक प्रणाली थी, और हम इसके ठीक बीच में हैं क्योंकि उनमें से कुछ शुरूआती कारखाने, विशाल कारखाने, लोवेल, मैसाचुसेट्स में थे, यहाँ से बहुत दूर नहीं। इसलिए कारखाना प्रणाली का विस्तार होता है, और जब कारखाना प्रणाली वास्तव में अमेरिकी सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का हिस्सा बन जाती है, तो इसके साथ तीन बड़े खतरे आते हैं,

और चर्च को यह तय करना होगा कि हम कारखाना प्रणाली के इन तीन बड़े खतरों के साथ कैसे काम करेंगे। ठीक है, तो, लेकिन आज बुधवार है।

मैं इसे शुक्रवार की तरह ही ले रहा हूँ, इसलिए मैं आपको 10 सेकंड का समय देने जा रहा हूँ, अब कोई पलायन नहीं, बस एक ऐसी व्यवस्था जिसका चर्च को सामना करना होगा। ठीक है, नंबर एक, कम वेतन, श्रमिकों के लिए कम वेतन, श्रमिकों के लिए कम वेतन। ठीक है, अब ये कम वेतन, 1835 से पहले, 1835 में थोड़ा बदलाव हुआ। प्रति सप्ताह औसत वेतन छह डॉलर था।

यह मूल रूप से एक डॉलर प्रतिदिन था। अब, 1835 में भी, यह बहुत ज्यादा नहीं है। अब यहाँ वह त्रासदी है जिसके कारण चर्च को सामना करना पड़ेगा।

त्रासदी यह है कि मज़दूरी इतनी कम थी कि पुरुष, महिलाएँ और बच्चे सभी कारखानों में काम कर रहे थे। कारखाने ऐसी जगहें थीं जहाँ आपको बूढ़े आदमी मिल सकते थे, आपको पुरुषों की पत्नियाँ मिल सकती थीं, आपको पाँच, छह, सात साल के बच्चे करघे पर खड़े मिल सकते थे। यही इसका पहला खतरा है।

उन्हें शायद ही कभी इतनी आय प्राप्त होती थी कि वे वास्तव में एक सभ्य स्तर का जीवन जी सकें, इसमें कोई संदेह नहीं है। तो यह एक समस्या है। दूसरी समस्या, फैक्ट्री सिस्टम का दूसरा खतरा, लंबे, लंबे घंटे, लंबे घंटे हैं।

अब, दिन में 14 घंटे काम करना बहुत आम बात थी, और वह भी सप्ताह में छह और अक्सर सात दिन। तो यह बहुत आम बात थी। अब याद रखें कि यह बहुत ही कष्टकारी काम है जो लोग इन कारखानों में करते हैं, उबाऊ काम, कष्टकारी काम, भयानक काम, और आप वहाँ दिन में 14 घंटे काम करते हैं।

न केवल आप, एक पति और पत्नी के रूप में, वहाँ हैं, बल्कि आपके बच्चे भी उस कारखाने में काम कर रहे हैं। तो यह भयानक है, यह भयानक है, यह भयानक है। इसलिए, लंबे, थकाऊ घंटे, अंततः 1835 के बाद, प्रतिदिन 10 घंटे तक कम हो गए, लेकिन फिर भी, कई लोगों के लिए यह सात दिन होंगे।

सप्ताह का विश्राम नहीं था, इसलिए यह सप्ताह में सात दिन होता था। तो यह नंबर दो है। तीसरी समस्या यह है कि कारखानों का नियंत्रण कुछ बहुत अमीर व्यक्तियों के पास था।

वे ही लोग थे जो कारखानों को नियंत्रित करते थे, वित्तपोषकों का एक छोटा समूह, और वे लोग बेहद अमीर बन रहे थे जबकि कारखानों में काम करने वाले लोग बेहद गरीब होते जा रहे थे। तो, मैं बस इतना कहना चाहता हूँ, मेरे पास यहाँ कुछ तस्वीरें हैं जिन्हें हम बस एक मिनट में दिखाएंगे, लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूँ, फैक्ट्री सिस्टम के बारे में, लेकिन मैं बस इसके बारे में बात करना चाहता हूँ, मेरे पास यहाँ मेरा प्रशंसक है, यह मेरा प्रशंसक है। न्यूयॉर्क में, सबसे बड़ा जीवित संग्रहालय है जिसे मैंने कभी देखा है, और मैंने पूरे यूरोप में बहुत सारे जीवित संग्रहालय देखे हैं।

जीवित संग्रहालय प्लायमाउथ जैसे संग्रहालय हैं जहाँ लोग हैं, आप जानते हैं, और इसी तरह की अन्य चीजें। यह सबसे बड़ा जीवित संग्रहालय है जिसे मैंने कभी देखा है; इसे लोअर ईस्ट साइड टेनेमेंट संग्रहालय कहा जाता है, और यह वहाँ है, और वे आपको एक पंखा देते हैं। अब लोअर ईस्ट साइड टेनेमेंट संग्रहालय वास्तव में, आप जानते हैं, अगली बार जब आप न्यूयॉर्क में हों, तो आपको यहाँ जाना चाहिए।

इसे बनाओ, तुम्हें पता है, तुम लोअर ईस्ट साइड टेनेमेंट म्यूजियम जाने की योजना बना रहे हो। तो, यह वो टेनेमेंट है जो न्यूयॉर्क के कामकाजी, गरीब कामकाजी लोगों के लिए बनाया गया था। यह लोअर ईस्ट साइड में है।

सदी के अंत में, 1900 में, न्यूयॉर्क शहर में लोअर ईस्ट साइड दुनिया का सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र था। लोअर ईस्ट साइड से ज़्यादा घनी आबादी वाला कोई क्षेत्र नहीं था, और उन्होंने जो किया है वह यह है कि उन्होंने उन कुछ घरों को अपने कब्जे में ले लिया है जहाँ लोग रहते थे, और उन्होंने घरों को फिर से बनाने और उन्हें सुंदर बनाने की कोशिश नहीं की है। उन्होंने घरों को वैसे ही रखा है जैसे वे थे, जैसे लोग उनमें रहते थे, और जब आप संग्रहालय जाते हैं, तो आप जो कर सकते हैं वह यह है कि वहाँ लगभग आठ दौरे हैं।

ये बहुत बढ़िया टूर हैं क्योंकि ये यूनिवर्सिटी के लोगों द्वारा दिए जाते हैं जो इस विषय पर अध्ययन कर रहे हैं। ऐसे लगभग आठ टूर हैं जिनमें से आप चुन सकते हैं। करेन और मेरे पास सिर्फ़ एक टूर के लिए समय था।

नहीं, दो। हमने दो टूर लिए। हमने एक यहूदी परिवार का टूर लिया और एक इतालवी परिवार का टूर लिया, और इसलिए वे हमें ऊपर ले गए। पहले टूर में, वे हमें पहले टेनेमेंट में ले गए, जिसमें हम थे।

यह लगभग पाँच मंजिल ऊपर था, तीन बहुत ही छोटे कमरे थे, और उन तीन छोटे कमरों में आठ लोगों का परिवार रहता था। मेरा मतलब है, अविश्वसनीय, और यह एक यहूदी परिवार था, यह वह जगह भी थी जहाँ पिता पेशे से दर्जी थे, कपड़े बनाते थे, और इसलिए रसोई में, जो बीच में है, आपको एक छोटा सा बैठकखाना मिलता है, फिर बीच में एक रसोई मिलती है, और फिर आपको एक शयनकक्ष मिलता है, लेकिन रसोई में, जो बीच में है, चूल्हा पूरे दिन जलता रहना चाहिए। अगर बाहर 105 डिग्री तापमान हो जाए, तो कोई बात नहीं।

चूल्हा जलाना पड़ता था क्योंकि एक प्रेस मशीन पूरे दिन सिर्फ़ उन कपड़ों को प्रेस करती रहती थी जो पति-पत्नी बना रहे थे, और इसलिए, ज़ाहिर है, वहाँ कोई बहता पानी नहीं था। आपको जितना पानी चाहिए, उतना चाहिए और आपको उसे पाने के लिए पाँच मंजिल नीचे जाना पड़ता है। बेशक, वहाँ कोई शौचालय नहीं है। आपको जिन शौचालयों की ज़रूरत है, वे बेसमेंट में हैं, इसलिए वहाँ कोई बहता पानी नहीं है, और कोई शौचालय नहीं है।

गर्मियों के मौसम में, यह बहुत क्रूर होता है। यही कारण है कि उन्होंने हमें पंखे दिए, क्योंकि हम अन्य पर्यटकों के साथ वहाँ भरे हुए थे, और उन्होंने कहा, तो यहाँ थोड़ी गर्मी है, है न? कल्पना

कीजिए कि अगर आप यहाँ रहते हैं, और सर्दियों में, अक्सर गर्मी की कमी होती है। यह एक बहुत ही क्रूर अनुभव था, लेकिन यह एक ऐसा अनुभव है जिसे आपको देखना चाहिए, और उन्होंने जो किया, जो हमें वाकई दिलचस्प लगा, उन्होंने परिवारों, परिवार के इतिहास का पता लगाया।

अब, पहला परिवार जो हमने देखा, यहूदी परिवार, आखिरकार बाहर निकल आया। मेरा मतलब है, वे इसमें फंस गए थे, और बच्चे ने छह बच्चों को खा लिया, इसलिए बच्चों को, आपको रात में कुछ बनाना पड़ता है, आपको फर्श पर कुछ बिस्तर लगाना पड़ता है, ताकि सभी बच्चे पार्लर के फर्श पर सो सकें, आप जानते हैं, लेकिन वह परिवार, केवल विशुद्ध उद्योग के माध्यम से, इससे बाहर निकल आया। वे आखिरकार बाहर निकलने में सक्षम हो गए, एक घर लिया, एक बेहतर व्यवसाय किया, और इसी तरह।

दूसरा परिवार जो हमने देखा, भगवान आपका भला करे, दूसरा परिवार जो हमने देखा वह एक आयरिश परिवार था, और उसी तरह की चीजें, बहुत सारे बच्चे, और आप कहाँ हैं, लेकिन वे बाहर नहीं निकल पाए। वे उस छोटे से मकान में मर गए। वे बीमारी से मर गए।

पिता की मृत्यु समय से पहले हो गई। बच्चे बीमार थे। परिवार के लिए यह एक भयानक अंत था, लेकिन इसे लोअर ईस्ट साइड टेनेमेंट म्यूजियम कहा जाता है, और अगर आप कभी न्यूयॉर्क शहर में हों तो आप इसे मिस नहीं करना चाहेंगे।

यह एक शानदार जीवंत संग्रहालय है, लेकिन उस जीवन और उन लोगों के जीवन के बीच का अंतर जो उन कारखानों को चलाते थे जिनमें ये लोग काम कर रहे थे, या जिनके लिए काम कर रहे थे, आप अपने घर में काम कर सकते हैं, जैसे टेलर ने पहले वाले में किया था। यह अंतर बहुत बड़ा था, और चर्चों को इस पर काबू पाना था और कहना था, आप जानते हैं, हमें इसके बारे में क्या करना चाहिए? तो, यह है। अब, इस बारे में बात करने वाली महान पुस्तकों में से एक है ओवेन चैडविक।

उनके पास एक किताब है, दो खंडों वाली किताब जिसका नाम है द विक्टोरियन चर्च, और यार, इसे पढ़ने में बहुत समय लगता है। यह काफी मोटी है, लेकिन यह मूल रूप से विक्टोरिया में अंग्रेजी चर्च की बात है, और किताब के कुछ हिस्सों में, वह इस तरह की भीड़भाड़ वाली स्थितियों के बारे में बात करते हैं। तो, मैं आपके साथ हूँ।

मैं विक्टोरियन चर्च से एक छोटा सा पैराग्राफ पढ़ूंगा। पैरिश चर्च, असहमति वाले चैपल और रोमन कैथोलिक चैपल ब्रिटिश शहरों में आने वाले आप्रवासियों की बाढ़ से निपटने के लिए सुसज्जित नहीं थे। चर्च और चैपल अद्वितीय नहीं थे।

शहरों में कुछ भी इससे निपटने के लिए सुसज्जित नहीं था। नगर निगम सरकार, भवन, स्वच्छता, स्वास्थ्य, कब्रिस्तान, अस्पताल, सड़कें, फर्श, प्रकाश व्यवस्था, पुलिस, दंत चिकित्सक, स्कूल, शहरी जीवन के सभी अंग इतने तनाव में थे कि वे फटने लगे, और यह अमेरिकी जीवन के लिए भी सच होगा। तो जरा सोचिए, जब आप सोचते हैं कि आप समाज को कैसे चला रहे हैं या आप

संस्कृति को कैसे विकसित कर रहे हैं, तो बस ये वो चीजें हैं जिनके बारे में आप नहीं सोचते, लेकिन भवन, स्वच्छता, स्वास्थ्य की स्थिति, कब्रिस्तान, आप उनके बारे में नहीं सोचते।

अस्पताल, सड़कें, फ़र्श, रोशनी, पुलिस, दंत चिकित्सक, डॉक्टर और ये सभी चीजें जो लोगों को एक सभ्य तरह का जीवन जीने के लिए चाहिए, की कमी है, और इसलिए ओवेन चैडविक इस बारे में बात करने में बहुत अच्छा काम करते हैं। हाँ? परिवार, नहीं, ये वे परिवार हैं जो 1800 के दशक के अंत में, 1900 के दशक में उन घरों में रहते थे, तो हाँ, ये वे परिवार हैं जो वहाँ रहते थे, और वे 19, 19 में वहाँ रहते थे, वे सदी के अंत में, 1900 में, आखिरकार, लगभग 1930 तक, ठीक है, उससे भी पहले, लेकिन आखिरकार सरकार इसमें शामिल हो गई। अब चर्च इसमें बहुत रुचि रखते थे, रोच और बुश इसमें बहुत रुचि रखते थे, लेकिन आखिरकार चर्च इसमें शामिल हो गए, लेकिन ठीक है, तो हम क्या करने जा रहे हैं? खैर, हमें इन लोगों के लिए शौचालयों की आवश्यकता है, हमें इन लोगों के लिए स्वच्छता की आवश्यकता है, हमें इन लोगों के लिए बहते पानी की आवश्यकता है, हमें इन लोगों के लिए गैस की आवश्यकता है, इसलिए अंततः सरकार ने हस्तक्षेप किया, लेकिन चर्चों ने भी उन्हें बेहतर रहने की स्थिति देने के लिए हस्तक्षेप किया, लेकिन अंततः आवास इतने खराब हो गए कि उन्होंने उन्हें 1920 और 30 के दशक में बंद कर दिया, और नए आवास बनाने पड़े वगैरह, इसलिए ये अब देखने योग्य परिवार नहीं हैं, लेकिन वे इतिहास जानते हैं, वे इनमें से कुछ परिवारों के इतिहास को ट्रैक करने में सक्षम हैं और देखते हैं कि वे कहाँ गए थे, इसलिए आज उन परिवारों में से जो जीवित होंगे वे परपोते या परपोते होंगे।

वे कभी-कभी ऐसा करते भी हैं। जब मैं एक जीवित संग्रहालय के बारे में बात करता हूँ, तो मेरा मतलब सिर्फ संग्रहालय में जाना और चीजों को देखना नहीं है, बल्कि किसी को आपको वहाँ ले जाना और उसके बारे में बात करना है, और कभी-कभी उनके पास अभिनेता होते हैं जैसे कि कॉनकॉर्ड में हैं, उदाहरण के लिए, कभी-कभी उनके पास वहाँ अभिनेता होते हैं और इसी तरह, लेकिन हाँ, तो यह, हाँ, यह उस तरह का है, यह वही है, यह लोअर ईस्ट साइड टेनमेंट संग्रहालय है और, आप जानते हैं, हम आभारी हैं कि हम उन टेनमेंट में नहीं रहते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। तो, ठीक है, अब बस इसे चित्रित करने के लिए, यहाँ अंतर है, तो ये सिर्फ तस्वीरें हैं, ये पाठ नहीं हैं, तो यहाँ एक शहरी केंद्र में जीवन कैसा दिखेगा, ब्रिटेन और इंग्लैंड में, ब्रिटेन और अमेरिका में। यह, अब यह वही है जो हमने देखा, हमने लोअर ईस्ट साइड टेनमेंट संग्रहालय में इस तरह की तस्वीरें देखीं।

यहाँ एक महिला अपने दो बच्चों के साथ है; वह रसोई में बैठी है; वहाँ पूरे दिन करने के लिए और कुछ नहीं है। यहाँ फैक्ट्री सिस्टम है, जो कि, आप जानते हैं, 10, 20, 30, 40 मंजिल ऊँची इमारतें थीं, और आप वहाँ ठसाठस भरे रहते हैं और आप दिन में 14 घंटे यही करते हैं, आप उन मशीनों पर बैठे रहते हैं, आप जानते हैं, सप्ताह में सातों दिन, मेरा मतलब है, यही फैक्ट्री सिस्टम है। वैसे, न्यूयॉर्क और अन्य जगहों पर कुछ दुखद घटनाएँ हुई थीं, लेकिन कुछ दुखद आग भी लगी थीं क्योंकि वे, वे, वे आग से निकलने के रास्ते को बंद कर देते थे ताकि लोग बाहर जाकर धूम्रपान न कर सकें या एक कप कॉफी या कुछ और न ले सकें।

आग लगने पर अग्नि निकास मार्ग बंद हो जाते थे और हज़ारों लोग आग में मारे जाते थे; यह बहुत क्रूर था। फैक्ट्री का जीवन, एक महिला दिन में 14 घंटे, सप्ताह में सात दिन वहाँ खड़ी रहती है,

आप अपना जीवन ऐसा करते हुए कैसे बिताना चाहेंगे? मेरा मतलब है, बहुत कूर। बेशक, यूनियन संघर्ष था, क्योंकि लोग अपनी राय व्यक्त करने के लिए यूनियनों में शामिल होना चाहते थे, इसलिए पूरा यूनियन आंदोलन उसमें आ गया।

अब, यहाँ विरोधाभास, यहाँ विरोधाभास न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड, न्यूपोर्ट की हवेलियाँ हैं। आप में से कितने लोग न्यूपोर्ट की हवेलियों में गए हैं, मेट? ठीक है, आप में से चार या पाँच लोग न्यूपोर्ट की हवेलियों में गए हैं। अब, विरोधाभास कारखानों के मालिकों से है क्योंकि ये वो चीज़ें हैं जिन्हें हम याद रखना चाहते हैं जब आप न्यूपोर्ट की हवेलियों में जाते हैं। ये हवेलियाँ न्यूपोर्ट में मार्बल हाउस हैं; ये हवेलियाँ केवल गर्मियों के निवास स्थान थे।

यह वह जगह है जहाँ वे गर्मियों में जाते थे। अब, उनके घर में 60 या 70 नौकर थे जो घर को पूरी सर्दियों में और फिर गर्मियों में जब लोग आते थे, तब चलाते थे, लेकिन यह केवल गर्मियों का समय है। यह इन घरों में केवल आठ सप्ताह है। मुझे यह बहुत आकर्षक लगा क्योंकि यह भोजन कक्ष था।

मुझे लगता है कि अगर मैं गलत नहीं हूँ तो यह मार्बल हाउस की बात है, लेकिन कुर्सियाँ इतनी भारी थीं कि उन्हें हिलाना असंभव था। इसलिए, जब ये सभी अमीर लोग रात के खाने के लिए आए, तो उन्हें प्रत्येक कुर्सी के पीछे एक नौकर रखना पड़ा और उसे कुर्सी को बाहर खींचकर उस व्यक्ति के बैठने के लिए और कुर्सी को अंदर धकेलकर उस व्यक्ति को अपने भोजन का आनंद लेने में सक्षम बनाना पड़ा। इसका मतलब है, इसके लिए आपको बहुत सारे नौकर रखने होंगे।

यह, फिर से, मार्बल हाउस का बॉलरूम है, जो कि हमने अभी जो टेनमेंट देखे हैं, उनकी तुलना में काफी विस्तृत है। तो, ये आस्था को बचाने की रणनीतियाँ हैं, लेकिन हम उसमें नहीं जाएँगे। तो, अंतर।

अब, सवाल इस अंतर के साथ है, यह केवल सरकार ही नहीं है जिसे इसके लिए कुछ जिम्मेदारी लेनी है, बल्कि चर्चों को भी इस पर गौर करना होगा और कहना होगा कि हम इस पूरी फैक्ट्री प्रणाली और लोगों के जीने के तरीके के बारे में क्या करने जा रहे हैं और हम इस अंतर के बारे में क्या करने जा रहे हैं क्योंकि लोग इतनी कम आय कर रहे हैं, फिर भी जो लोग फैक्ट्रियों के मालिक हैं वे बहुत, बहुत, बहुत अमीर हैं। अब, इस परियोजना में शामिल होने वाले एक व्यक्ति वाल्टर रौशनबुश थे। मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ उनका नाम लिख लें क्योंकि हमारे पास रौशनबुश पर एक पूरा व्याख्यान है, लेकिन एक व्यक्ति जिसने इस परियोजना में शामिल होने का फैसला किया वह वाल्टर रौशनबुश थे।

और आप उनकी जीवनी पढ़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि आप हर हफ़्ते एक अध्याय या कुछ ऐसा ही पढ़ रहे होंगे ताकि आप उनकी जीवनी से जुड़े रहें। आप इसे अंतिम परीक्षा से एक रात पहले नहीं पढ़ना चाहेंगे, लेकिन यह वाल्टर रौशनबुश है।

अब, मैं यहाँ वाल्टर रौशनबुश के बारे में बस इतना ही कहना चाहूँगा: सेवकाई के लिए उनका दिल इंजीलीवादी था। वाल्टर रौशनबुश को उनके जीवनी लेखक, जीवनीकार इवांस ने बुलाया है,

जिसे आप पढ़ने जा रहे हैं। उन्होंने वाल्टर रौशनबुश को एक इंजीलवादी के रूप में लेबल किया है।

इसलिए, उनके दिल में लोगों के लिए एक इंजीलवादी भावना है। और वैसे, वाल्टर रौशनबुश, जिसे आप जीवनी में देखेंगे, ड्वाइट का बहुत अच्छा दोस्त था। तो यहाँ आपके पास ड्वाइट एल. मूडी है, यह अधिक कट्टरपंथी व्यक्ति है और आपके पास वाल्टर रौशनबुश है, यह अधिक उदार व्यक्ति है जो सामाजिक परिवर्तन में रुचि रखता है, लेकिन वे दोस्त हैं। और रौशनबुश नॉर्थफील्ड में मूडी के भविष्यसूचक सम्मेलनों में भाग लेते थे।

तो इससे पता चलता है कि दोस्ती हो सकती है। भले ही कुछ धार्मिक मतभेद हों, दोस्ती होती है। लेकिन रौशनबुश उन सभी चीज़ों को लेकर बहुत चिंतित होंगे जो हमने दिखाई हैं और जिनका हमने उल्लेख किया है। इसलिए जब हम रौशनबुश के पास पहुँचेंगे तो हमें इस पर नज़र रखनी होगी।

तो, जब हम वापस आएंगे, तो देखते हैं कि चर्च इस सब पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। तो, हम इस पर काम शुरू कर देते हैं। एक शानदार छुट्टी मनाइए।

यह डॉ. रोजर ग्रीन द्वारा अमेरिकी ईसाई धर्म पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 16 है, 19वीं शताब्दी में इंजीलवाद, डीएल मूडी।